अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण

4.2.1 उद्देश्य के आधार पर प्रदत्तों का विश्लेषण

4.2.2 परिकल्पनाओं के आधार पर प्रदत्तों का विश्लेषण

अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

शोध कार्य में ऑकडों का विश्लेषण एवं व्याख्या करना व्याख्या करना आवश्यक है जिससे की संख्यारूपी अव्यवस्थित आँकड़ो को उचित अर्थ प्रदान किया जा सके। प्रस्तुत शोध कार्य में स्वयंनिर्मित उपकरण की सहायता से चयनित प्रतिदर्श द्वारा आकडों का संकलन किया गया, तथा आवश्यक सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग करके शोध विषय से सबंधित परिकल्पनाओं का परीक्षण करके एवं आकडों का विश्लेषण एवं व्याख्या की गई तथा शोध विषय से संबंधित निष्कर्ष प्रस्तुत किएं गये है।

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन मे प्रदत्तो का विश्लेषण उददे्श्यो के आधार पर प्रतिशत प्रणाली की सहायतासे एवं परिकल्पना परिक्षण के आधार पर सांख्यिकी प्रविधी से किया गया है

4.2.1 उददे्श्य के आधार पर प्रदत्तो का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन के लिये निर्धारित उददे्श्यो का विश्लेषण प्राप्त प्रदत्तो के आधार पर प्रतिशत प्रणाली की सहायता से किया गया है जिसका विश्लेषण निम्ननुसार है –

उददे्श्य क्र. 1

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

इस उददेश्य का विश्लेषण प्रतिशत प्रणाली के आधार पर किया गया है जिसका विवरण निम्न तालिका मे दर्शाया गया है।

तालिका क.4.1

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का विवरण–

वर्गान्तर	स्तर	आदिवासी		ग्रामीण		शहरी	
		संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%
146–157	उच्च	4	5.00	12	15.00	35	43.75
134–145	औसत से अधिक	24	30.00	33	41.25	38	47.50
122–133	औसत	37	46.25	27	33.75	7	8.75
110–121	औसत से कम	13	16.25	8	10.00	—	—
98–109	निम्न	2	2.50	—	—	—	—
योग		80	100	80	100	80	100

निरीक्षण 1. आदिवासी क्षेत्र के अभिभावकों मे लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण 46.25 प्रतिशत है। तथा औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण कमशः 16.25 एवं 2.50 प्रतिशत है। तथा औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण कमशः 30.00 तथा 5.00 प्रतिशत है।

निरीक्षण 2. ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों मे लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण 33.75 प्रतिशत है। तथा औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण कमशः 10.00 एवं 0.00 प्रतिशत है। तथा औसत

से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण क्रमशः 41.25 तथा 15.00 प्रतिशत है।

निरीक्षण 3. शहरी क्षेत्र के अभिभावकों मे लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण 8.75 प्रतिशत है। तथा औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण क्रमशः 00.00 एवं 0.00 प्रतिशत है। तथा औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण क्रमशः 47.50 तथा 43.75 प्रतिशत है।

निष्कर्ष

लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले अभिभावकों मे आदिवासी क्षेत्र के अभिभावकों का प्रमाण सर्वाधिक है। औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले अभिभावकों मे भी आदिवासी क्षेत्र के अभिभावकों का प्रमाण सर्वाधिक है। औसत से अधिक एवं उच्च दृष्टिकोण वाले अभिभावकों मे शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का प्रमाण सर्वाधिक है। तात्पर्य लड़कियों की शिक्षा के प्रति शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का दृष्टिकोण उच्च, ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों का दृष्टिकोण औसत से अधिक, तथा आदिवासी क्षेत्र के अभिभावकों का दृष्टिकोण औसत है।

उददेश्य क्र. 2

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

इस उददेश्य का विश्लेषण प्रतिशत प्रणाली की सहायता किया गया है जिसका विवरण निम्न तालिका मे दर्शाया गया है।

तालिका क.4.2

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का विवरण

वर्गान्तर	स्तर	आदिवासी		ग्रामीण		शहरी	
		संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%
146–157	उच्च	1	2.50	4	10.00	25	62.50
138–147	औसत से अधिक	16	40.00	17	42.50	11	27.50
128–137	औसत	17	42.50	15	37.50	2	5.00
118–127	औसत से कम	4	10.00	4	10.00	2	5.00
108–117	निम्न	2	5.00	—	—	—	—
योग		40	100	40	100	40	100

निरीक्षण 1. आदिवासी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों मे लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण 42.50 प्रतिशत है। तथा औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले साक्षर अभिभावकों का प्रमाण क्रमशः 10.00 एवं 5.00 प्रतिशत है। तथा औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले साक्षर अभिभावकों का प्रमाण क्रमशः 40.00 तथा 2.50 प्रतिशत है।

निरीक्षण 2. ग्रामीण क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों मे लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण 37.50 प्रतिशत है। तथा औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले साक्षर अभिभावकों का प्रमाण क्रमशः 10.00 एवं 0.00 प्रतिशत है। तथा औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले साक्षर अभिभावकों का प्रमाण क्रमशः 42.00 तथा 10.00 प्रतिशत है।

निरीक्षण 3. शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों मे लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले साक्षर अभिभावकों का प्रमाण 5.00 प्रतिशत है। तथा औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण क्रमशा 5.00 एवं 0.00 प्रतिशत है। तथा औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले अभिभावकों का प्रमाण क्रमशा 27.50 तथा 62.50 प्रतिशत है।

निष्कर्ष

लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले साक्षर अभिभावकों मे आदिवासी क्षेत्र के अभिभावकों का प्रमाण सर्वाधिक है। औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले साक्षर अभिभावकों मे भी आदिवासी क्षेत्र के अभिभावकों का प्रमाण सर्वाधिक है। औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले साक्षर अभिभावकों मे शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का प्रमाण सर्वाधिक है। तात्पर्य लड़कियों की शिक्षा के प्रति शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का दृष्टिकोण उच्चं, ग्रामीण क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का दृष्टिकोण औसत से अधिक, तथा आदिवासी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का दृष्टिकोण औसत है।

उददेश्य क. 3

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

इस उददेश्य का विश्लेषण प्रतिशत प्रणाली की सहायता किया गया है जिसका विवरण निम्न तालिका मे दर्शाया गया है।

तालिका क्र.4.3

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का विवरण

वर्गान्तर	स्तर	आदिवासी		ग्रामीण		शहरी	
		संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%
142–152	उच्च	—	—	5	12.50	20	50.00
131–141	औसत से अधिक	10	25.00	16	40.00	17	42.50
120–130	औसत	22	55.00	15	37.50	3	7.50
109–119	औसत से कम	5	12.50	4	10.00	—	—
98–108	निम्न	3	7.50	—	—	—	—
योग		40	100	40	100	40	100

निरीक्षण 1. आदिवासी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों मे लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण 55.00 प्रतिशत है। तथा औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण कमशः 12.50 एवं 7.50 प्रतिशत है। तथा औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण कमशः 25.00 तथा 0.00 प्रतिशत है।

निरीक्षण 2. ग्रामिण क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों मे लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण 37.50 प्रतिशत है। तथा औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण कमशः 10.00 एवं 0.00 प्रतिशत है। तथा औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण कमशः 40.00 तथा 12.50 प्रतिशत है।

निरीक्षण 3. शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों मे लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण 7.50 प्रतिशत है। तथा औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण कमशः 0.00 एवं 0.00 प्रतिशत है। तथा औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण कमशः 42.50 तथा 50.00 प्रतिशत है।

निष्कर्ष

लड़कियों की शिक्षा के प्रति औसत दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों मे आदिवासी क्षेत्र के अभिभावकों का प्रमाण सर्वाधिक है। औसत से कम एवं निम्न दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों मे भी आदिवासी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का प्रमाण सर्वाधिक है। औसत से अधिक एवं उच्चं दृष्टिकोण वाले निरक्षर अभिभावकों मे शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का प्रमाण सर्वाधिक है। तात्पर्य लड़कियों की शिक्षा के प्रति शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का दृष्टिकोण उच्चं, ग्रामीण क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का दृष्टिकोण औसत से अधिक, तथा आदिवासी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का दृष्टिकोण औसत है।

4.2.2 परिकल्पनाओं आधार पर प्रदत्तो का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन हेतु परिकल्पनाओं का निर्माण करके प्रदत्तो का विश्लेषण निम्न नुसार किया गया है।

परिकल्पना क्र.–1

आदिवासी, ग्रामीण, एवं शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु सरल प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण तालिका निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.4

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	मध्यमान	प्रसरण स्त्रोत (SV)	वर्गो का योग (SS)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (MS)	F अनुपात	सार्थकता स्तर
आदिवासी	129.86	समूह के मध्य BSS	8036.27	2	4018.137	47.40	सार्थक स्तर है।
ग्रामीण	134.35						
शहरी	143.75	समूह के अन्तर्गत WSS	20090.69	237	84.770		
N=240	135.99	योग	28126.96	239			

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.75

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.04

स्पष्टीकरण :–

तालिका से स्पष्ट होता है कि आदिवासी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के अभिभावकों (माता पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए गणना द्वारा प्राप्त प्रसरण अनुपात 47.40 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर आवश्यक सारणी मूल्य $4^{07}5$ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसरण अनुपात का गणना द्वारा प्राप्त मान आवश्यक सारणी मूल्य से अधिक है। अतः हमें 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :–

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र.–2

आदिवासी, ग्रामीण, एवं शहरी क्षेत्र के माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु सरल प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.5

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.78

समूह	मध्यमान	प्रसरण स्त्रोत (SV)	वर्गो का योग (SS)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (MS)	F अनुपात	सार्थकता स्तर
आदिवासी	133.55	समूह के मध्य BSS	2181.06	2	1090.53	16.01	सार्थक स्तर है।
ग्रामीण	135.05						
शहरी	143.25	समूह के अन्तर्गत WSS	7967.30	117	68.09		
N=120	137.28	योग	10148.36	119			

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.07

स्पष्टिकरण :–

तालिका से स्पष्ट होता है कि आदिवासी, ग्रामीण, एवं शहरी क्षेत्र के माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए प्रसरण अनुपात 16.01 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर आवश्यक सारणी मूल्य 4.78 है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसरण अनुपात का गणना द्वारा प्राप्त मान आवश्यक सारणी मूल्य से अधिक है। अतः हमें 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :–

इस परिकल्पना परीक्षण से निष्कर्ष निकलता है की, आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र–3

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के पिता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु सरल प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.6

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के पिता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण –

समूह	मध्यमान	प्रसरण स्त्रोत (SV)	वर्गों का योग (SS)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (MS)	F अनुपात	सार्थकता स्तर
आदिवासी	126.18	समूह के मध्य BSS	6599.217	2	3299.608	35.17	सार्थक अंतर है।
ग्रामीण	133.65						
शहरी	144.25	समूह के अन्तर्गत WSS	10976.375	117	93.815		
N=120	134.69	योग	17575.592	119			

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.78

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.07

स्पष्टीकरणः–

तालिका से स्पष्ट होता है तो की, आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के पिता अभिभावको का लड़कियो की शिक्षा के प्रती दृष्टिकोण के लिए गणना द्वारा प्राप्त प्रसरण अनुपात 35.17 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर आवश्यक सारणी मूल्य 4.78 है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसरण अनुपात का गणना द्वारा प्राप्त मान आवश्यक सारणी मूल्य से अधिक है। अतः हमें 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्षः–

आदिवासी, ग्रामीण, एवं शहरी क्षेत्र के पिता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र–4

आदिवासी क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु 't' परिक्षण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.7

आदिवासी क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	कान्तीक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर
माता	40	133.55	8.19	78	1.85	3.98	सार्थक अंतर है
पिता	40	126.18	8.22.				

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.99
0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –2.64

स्पष्टीकरणः–

तालिका से स्पष्ट से होता है की आदिवासी क्षेत्र के माता एवं पिता अभिभावको का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए क्रांतिक अनुपात (CR) का गणना व्दारा प्राप्त मान 3.98 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.64 है। इससे यह स्पष्ट होता है। की क्रांतिक अनुपात का गणना व्दारा प्राप्त मान सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को हमे अस्विकृत करना होगा।

निष्कर्षः–आदिवासी क्षेत्र के अभिभवकों का (माता–पिता) अभिभावको का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र–05

ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों का (माता पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण मे कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु 't' परिक्षण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.8

ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण –

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	कान्तीक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर
माता	40	135.05	9.28	78	2.14	0.65	सार्थक अंतर नहीं है
पिता	40	133.65	9.65				

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.99
0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –2.64
स्पष्टीकरणः–

तालिका से ज्ञात होता है कि, ग्रमीण क्षेत्र के माता एवं पिता का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए क्रांतिक अनुपात (CR) का गणना व्दारा प्राप्त मान 0. 65 है। 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.99 है। इससे यह स्पष्ट होता है। की क्रांतिक अनुपात का गणना व्दारा प्राप्त मान सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को हमे स्वीकृत करना होगा।

निष्कर्षः–ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना क्र– 06

शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु t परिक्षण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.9

शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण –

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	कान्तीक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर
माता	40	143.25	5.95	78	1.68	0.59	सार्थक अंतर नहीं है
पिता	40	144.25	8.68				

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.99
0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –2.64

स्पष्टीकरणः–

तालिका से ज्ञात होता है कि, शहरी क्षेत्र के अभिभावकों (माता पिता) का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिाकोण के लिए क्रांतिक अनुपात (CR) का गणना व्दारा प्राप्त मान 0.59 है। 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.99 है। इससे यह स्पष्ट होता है। की क्रांतिक अनुपात का गणना व्दारा प्राप्त मान सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को हमे स्वीकृत करना होगा।

निष्कर्षः– शहरी क्षेत्र के अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना क्र–7

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परीकल्पना का परीक्षण करने हेतु सरल प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.10

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	मध्यमान	प्रसरण स्त्रोत (SV)	वर्गो का योग (SS)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (MS)	F अनुपात	सार्थकता स्तर
आदिवासी	134.65	समूह के मध्य BSS	3188.467	2	1594.233	22.56	सार्थक अंतर है।
ग्रामीण	133.65						
शहरी	146.80	समूह के अन्तर्गत WSS	8265	117	70.641		
N=120	134.69	योग	11453.467	1199			

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.78

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.07

स्पष्टीकरणः–

तालिका से स्पष्ट होता है तो की, आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों (माता–पिता) का लड़कियो की शिक्षा के प्रती दृष्टिकोण के लिए गणना द्वारा प्राप्त प्रसरण अनुपात 22.56 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर आवश्यक सारणी मूल्य 4.78 है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसरण अनुपात का गणना द्वारा प्राप्त मान आवश्यक सारणी मूल्य से अधिक है। अतः हमें 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :–

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों (माता–पिता) का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र.–8

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परीकल्पना का परीक्षण करने हेतु सरल प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.11

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	मध्यमान	प्रसरण स्त्रोत (SV)	वर्गो का योग (SS)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (MS)	F अनुपात	सार्थकता स्तर
आदिवासी	125.07	समूह के मध्य BSS	4982.917	2	2491.458	35.02	सार्थक अंतर है।
ग्रामीण	130.95						
शहरी	140.70	समूह के अन्तर्गत WSS	8323.075	117	71.137		
N=120	134.69	योग	13305.99	119			

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.78

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.07

स्पष्टीकरण :–

तालिका से स्पष्ट होता है कि, आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए गणना द्वारा प्राप्त प्रसरण अनुपात 35.02 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर आवश्यक सारणी मूल्य 4.78 है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसरण अनुपात का गणना द्वारा प्राप्त मान आवश्यक सारणी मूल्य से अधिक है। अतः हमें 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :– आदिवासी, ग्रामीण, एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र.–9

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परीकल्पना का परीक्षण करने हेतु सरल प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.12

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	मध्यमान	प्रसरण स्त्रोत (SV)	वर्गो का योग (SS)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (MS)	F अनुपात	सार्थकता स्तर
आदिवासी	137.85	समूह के मध्य BSS	1015.033	2	507.516	10.570	सार्थक अंतर है।
ग्रामीण	137.80						
शहरी	146.55	समूह के अन्तर्गत WSS	2736.70	57	48.012		
N=60	134.69	योग	3751.73	59			

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.98

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.15

स्पष्टीकरण :–

तालिका से स्पष्ट होता है कि, आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए गणना द्वारा प्राप्त प्रसरण अनुपात 10.570 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर आवश्यक सारणी मूल्य 4.98 है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसरण अनुपात का गणना द्वारा प्राप्त मान आवश्यक सारणी मूल्य से अधिक है। अतः हमें 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :–

आदिवासी, ग्रामीण, एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र.–10

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु सरल प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.13

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	मध्यमान	प्रसरण स्त्रोत (SV)	वर्गो का योग (SS)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (MS)	F अनुपात	सार्थकता स्तर
आदिवासी	129.25	समूह के मध्य BSS	1215.433	2	607.716	9.23	सार्थक अंतर है।
ग्रामीण	132.30						
शहरी	139.95	समूह के अन्तर्गत WSS	3752.90	57	65.840		
N=60	133.83	योग	4967.523	59			

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.98

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.15

स्पष्टीकरण :–

तालिका से स्पष्ट होता है कि, आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए गणना द्वारा प्राप्त प्रसरण अनुपात 9.23 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर आवश्यक सारणी मूल्य 4ण्98 है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसरण अनुपात का गणना द्वारा प्राप्त मान आवश्यक सारणी मूल्य से अधिक है। अतः हमें 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :– आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर माता अभिभावको का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र.–11

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर पिता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु सरल प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.14

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर पिता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	मध्यमान	प्रसरण स्त्रोत (SV)	वर्गों का योग (SS)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (MS)	F अनुपात	सार्थकता स्तर
आदिवासी	131.45	समूह के मध्य BSS	2465.633	2	1232.816	13.735	सार्थक अंतर है।
ग्रामीण	137.70						
शहरी	147.05	समूह के अन्तर्गत WSS	5116.10	57	89756		
N=60	138.73	योग	7581.73	59			

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.98

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.15

स्पष्टीकरण :–

तालिका से स्पष्ट होता है कि, आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर माता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए गणना द्वारा प्राप्त प्रसरण अनुपात 13.735 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर आवश्यक सारणी मूल्य 4.98 है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसरण अनुपात का गणना द्वारा प्राप्त मान आवश्यक सारणी मूल्य से अधिक है। अतः हमें 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :– आदिवासी, ग्रामीण, एवं शहरी क्षेत्र के साक्षर पिता अभिभावको का लडकियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र.–12

आदिवासी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर पिता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परीकल्पना का परीक्षण करने हेतु सरल प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.15

आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर पिता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	मध्यमान	प्रसरण स्त्रोत (SV)	वर्गो का योग (SS)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (MS)	F अनुपात	सार्थकता स्तर
आदिवासी	120.90	समूह के मध्य BSS	4256.10	2	1228.05	32.110	सार्थक अंतर है।
ग्रामीण	129.60						
शहरी	141.45	समूह के अन्तर्गत WSS	3777.55	57	66.27		
N=60	130.65	योग	8833.65	59			

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.98

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.15

स्पष्टीकरण :–

तालिका से स्पष्ट होता है कि आदिवासी ग्रमीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर पिता अभिभावको का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए गणना द्वारा प्राप्त प्रसरण अनुपात 32.110 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर आवश्यक सारणी मूल्य 4.98 है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसरण अनुपात का गणना द्वारा प्राप्त मान आवश्यक सारणी मूल्य से अधिक है। अतः हमें 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :– आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निरक्षर पिता अभिभावकों का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिाकोण में सार्थक अंतर है

परिकल्पना क्र.–13

आदिवासी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नही है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु t परिक्षण का प्रयोग किया गया है इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.16

आदिवासी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण –

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	क्रान्तीक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर
माता	20	137.85	6.83	38	2.61	2.45	सार्थक अंतर है
पिता	20	131.45	9.10				

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02
0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –2.71

स्पष्टीकरणः–

तालिका से ज्ञात होता है कि, शहरी क्षेत्र के अभिभावकों (माता पिता) का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिाकोण के लिए क्रांतिक अनुपात (CR) का गणना व्दारा प्राप्त मान 2.45 है। 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02 है। इससे यह स्पष्ट होता है। की क्रांतिक अनुपात का गणना व्दारा प्राप्त मान सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को हमे अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :– आदिवासी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र.–14

आदिवासी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नही है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु t परिक्षण का प्रयोग किया गया है इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.17

आदिवासी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण –

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	क्रान्तीक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर
माता	20	129.25	6.84	38	2.437	3.42	सार्थक अंतर है
पिता	20	120.90	8.12				

0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –2.71
0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02
स्पष्टीकरण:–

प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट होता है कि, आदिवासी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों (माता पिता) का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए क्रांतिक अनुपात (CR) का गणना व्दारा प्राप्त मान 3.42 है। 0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.71 है। इससे यह स्पष्ट होता है। की क्रांतिक अनुपात का गणना व्दारा प्राप्त मान सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को हमे अस्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :– आदिवासी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना क्र.–15

ग्रामीण क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

प्रस्तुत परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु t परिक्षण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.18

ग्रामीण क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण मे सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	कान्तीक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर
माता	20	137.80	7.75	38	2.797	0.035	सार्थक अंतर नहीं है
पिता	20	137.70	8.95				

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02
0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –2.71

स्पष्टीकरण :–

प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र के साक्षर अभिभावक का (माता पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए क्रांतिक अनुपात (CR) का गणना व्दारा प्राप्त मान 0.035 है। 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02 है। इससे यह स्पष्ट होता है। की क्रांतिक अनुपात का गणना व्दारा प्राप्त मान सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को हमे स्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :– ग्रामीण क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों माता पिता का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नही है।

परिकल्पना क्र.–16

ग्रामीण क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

प्रस्तुत परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु t परिक्षण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक–4.19

ग्रामीण क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण मे सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	क्रान्तीक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर
माता	20	132.30	10.30	38	3.13	0.86	सार्थक अंतर नहीं है
पिता	20	129.60	8.96				

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02
0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –2.71,

स्पष्टीकरण :–

प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों (माता पिता) का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए क्रांतिक अनुपात (CR) का गणना व्दारा प्राप्त मान 0.86 है। 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02 है। इससे यह स्पष्ट होता है। की क्रांतिक अनुपात का गणना व्दारा प्राप्त मान सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को हमे स्वीकृत करना होगा।

निष्कर्ष :–ग्रामीण क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना क्र.– 17

शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

प्रस्तुत परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु t परिक्षण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्र.–4.20

शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण मे कोई सार्थक अंतर का विवरण–

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	कान्तीक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर
माता	20	146.55	5.50	38	2.55	0.196	सार्थक अंतर नहीं है
पिता	20	147.05	9.68				

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02
0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –2.71

स्पष्टीकरणः–

प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट होता है। कि शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावको का (माता पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए क्रांतिक अनुपात (CR) का गणना व्दारा प्राप्त मान 0.196 है। 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02 है। इससे यह स्पष्ट होता है। की क्रांतिक अनुपात का गणना व्दारा प्राप्त मान सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को हमे स्वीकृत करना होगा।

निष्कर्षः–

शहरी क्षेत्र के साक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना क्र. –18

शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

प्रस्तुत परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु t परीक्षण का प्रयोग किया गया है। इसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 4.21

शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों का (माता–पिता) लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का विवरण –

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	कान्तीक अनुपात CR)	सार्थकता स्तर
माता	20	139.95	5.90	38	1.996	0.75	सार्थक अंतर नहीं है
पिता	20	141.45	6.40				

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02
0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –2.71
स्पष्टीकरणः–

प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट होता है कि, शहरी क्षेत्र निरक्षर अभिभावकों (माता पिता) का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के लिए क्रांतिक अनुपात CR का गणना व्दारा प्राप्त मान 0.75 है। 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.02 है। इससे यह स्पष्ट होता है। की क्रांतिक अनुपात का गणना व्दारा प्राप्त मान सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना को हमे स्वीकृत करना होगा।

निष्कर्षः– शहरी क्षेत्र के निरक्षर अभिभावकों (माता–पिता) का लड़कियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।